रिपोर्ट

हिंदी साहित्य परिषद्

हिंदी विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

आलोचना लेखन की समकालीन समस्याएँ पर एक दिवसीय व्याख्यान

वक्ता : रामप्रकाश द्विवेदी - विनोद तिवारी

हिन्दी साहित्य सभा,हिंदी विभाग, श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा **'आलोचना लेखन की सामयिक समस्याएं'** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी दिवस - 31/10/2019 के लिए दो अतिथि वक्ताओं में - 1. डॉ. रामप्रकाश द्विवेदी (एसोसिएट प्रोफेसर, बी. आर. अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) तथा 2. डॉ. विनोद तिवारी (एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) को आमंत्रित किया गया।

चयनित विषय पर संगोष्ठी शुभारंभ में कॉलेज के माननीय प्राचार्य की उपस्थिति में अतिथि वक्ताओं के स्वागत के बाद विषय पर गंभीर चर्चा हुई। वक्तव्यों में आलोचना लेखन की नवीन समस्याओं और साहित्य पढ़ने की नवीन विधियों की आवश्यकताओं पर रचनात्मक विचार और सुझाव सामने आए। डॉ विनोद तिवारी ने आलोचना में विचारधारा के सवाल को सबसे अहम् बताते हुए कहा कि बगैर विचारधारा के कोई आलोचना नहीं हो सकती है। विचारधार से ही आलोचना को धार और दिशा मिलती है। वहीं डॉ रामप्रकाश द्विवेदी ने परमपरा से लेकर आधुनिकता तक आधुनिकता तक का सफ़र करते हुए आलोचना की समसायिकता के सवाल को उठाया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति के साथ प्रत्यक्ष गंभीर भागीदारी की। संगोष्ठी आयोजन की सफलता इस बात में भी रही कि वर्तमान साहित्यिक परिदृश्य के संदर्भ से सुझाव सामने आए कि श्याम लाल कॉलेज का हिंदी विभाग इस संगोष्ठी विषय पर 2 या 3 दिवसीय कार्यशाला व संगोष्ठी का आयोजन भी करे।

Figure 1 विशेष व्याख्यान का पोस्टर.

Figure 2 मंच सञ्चालन करते विभाग के विद्यार्थी.

Figure 3 स्वागत भाषण करते प्राचार्य रबी नारायण कर.

Figure 4 व्याख्यान को सुनते शिक्षक एवं विद्यार्थीगण.

Figure 5 वक्तव्य देते कॉलेज प्राचार्य रबी नारायण कर.